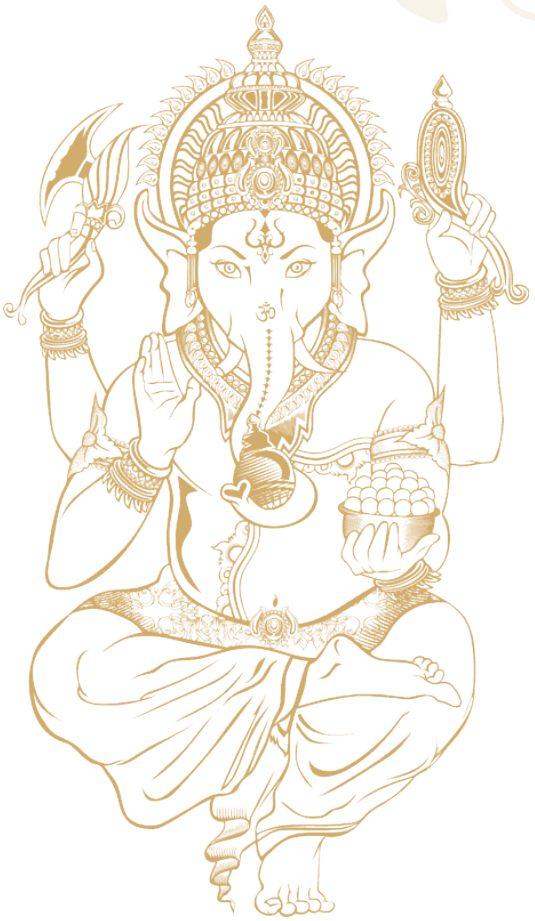

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
22/10/1991	जन्म तिथि	14/04/1993
मंगलवार	दिन	बुधवार
घंटे 19:46:00	जन्म समय	13:35:00 घंटे
घटी 33:19:50	जन्म समय(घटी)	19:04:28 घटी
India	देश	India
Delhi	स्थान	Jammu
28:39:00 उत्तर	अक्षांश	32:42:00 उत्तर
77:13:00 पूर्व	रेखांश	74:52:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:08	स्थानिक संस्कार	-00:30:32 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:26:03	सूर्योदय	06:02:47
17:45:07	सूर्यास्त	18:59:29
23:44:48	चित्रपक्षीय अयनांश	23:46:04

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
बुध 7वर्ष 9मा 15दि		12:10:20	वृष	लग्न	कर्क	22:54:05	सूर्य 1वर्ष 7मा 0दि	
शुक्र		04:56:02	तुला	सूर्य	मेष	00:37:10	राहु	
07/08/2006		23:53:16	मीन	चंद्र	मक	06:28:51	14/11/2011	
07/08/2026		10:11:06	तुला	मंगल	कर्क	00:01:28	13/11/2029	
शुक्र	07/12/2009	17:16:59	तुला	बुध	मीन	04:28:48	राहु	27/07/2014
सूर्य	07/12/2010	14:09:15	सिंह	गुरु व	कन्या	14:09:53	गुरु	20/12/2016
चन्द्र	07/08/2012	18:52:12	सिंह	शुक्र व	मीन	11:20:53	शनि	26/10/2019
मंगल	07/10/2013	06:42:06	मक	शनि	कुंभ	04:02:32	बुध	15/05/2022
राहु	07/10/2016	19:09:58	धनु व	राहु व	वृश्चि	19:43:30	केतु	02/06/2023
गुरु	08/06/2019	19:09:58	मिथु व	केतु व	वृष	19:43:30	शुक्र	02/06/2026
शनि	07/08/2022	16:33:17	धनु	हर्ष	धनु	28:21:44	सूर्य	27/04/2027
बुध	07/06/2025	20:25:59	धनु	नेप	धनु	27:21:52	चन्द्र	26/10/2028
केतु	07/08/2026	25:41:25	तुला	प्लूटो व	वृश्चि	01:10:25	मंगल	13/11/2029

लग्न-चलित

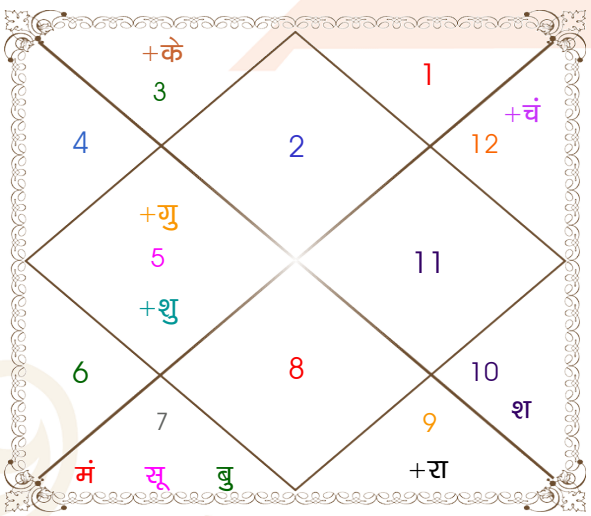

लग्न-चलित

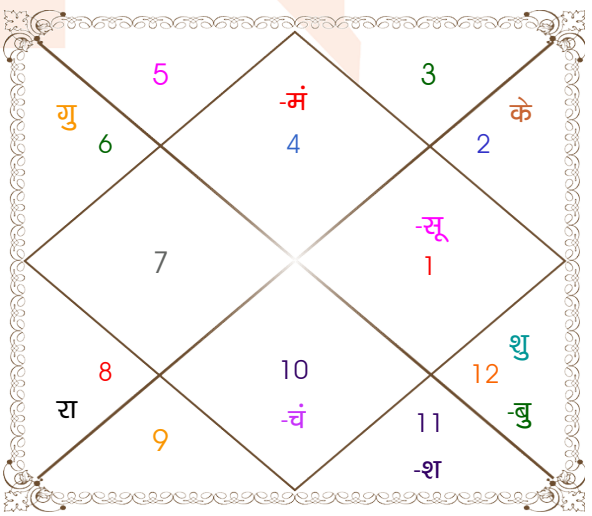

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	जलचर	चतुष्पाद	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	वध	क्षेम	3	1.50	--	भाग्य
योनि	गज	नकुल	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	गुरु	शनि	5	3.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	मीन	मकर	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	अन्त्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	21.50		

नाड़ी दोष कष्टदायक नहीं है क्योंकि Mr. का नक्षत्र रेवती है।

Mr. का वर्ग सिंह है तथा Ms. का वर्ग सिंह है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr. और Ms. का मिलान शुभ है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr. मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है।

Ms. मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

भौमेः वक्रिणि नीचगृहे वाऽर्कस्थेऽपि वा न कुजदोषः।

अर्थात् यदि मंगल वक्री, नीच, अस्त का हो तो मंगल दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Ms. कि कुण्डली में नीच का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल Mr. कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Mr. तथा Ms. में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।